Girls' High School & College, Prayagraj

Worksheet No. 5

Session 2020-21

Class-4 A-F

Subject- Hindi

Topic- **पथ मेरा आलोकित कर दो, अपठित गद्यांश**

निर्देश:

1. अभिभावकों से अनुरोध है कि नीचे लिखे पाठ के पद्यांश को पढ़कर बच्चों से प्रश्नों के उत्तर लिखवाए तथा याद करवाएं ।

2. गुरु नानक देव पाठ के शेष शब्दार्थ तथा दीर्घ प्रश्न के उत्तरों को इस वर्कशीट में सम्मिलित किया गया है।

पथ मेरा आलोकित कर दो।
नवल प्राप्त की नवल रश्मियों से
मेरे उर का तम हर दो।।

मैं नन्हा- सा पथिक विश्व के
पथ पर चलना सीख रहा हूं,
मैं नन्हा- सा विहग विश्व के
नभ में उड़ना सीख रहा हूं।

पहुंच सकूं निर्दिष्ट लक्ष्य तक
मुझको ऐसा पग दो, पर दो ||

पाया जग से जितना अब तक
और अभी जितना मैं पाऊं,
मनोकामना है यह मेरी
उससे कहीं अधिक दे जाऊं|

धरती को ही स्वर्ग बनाने का

मुझको मंगलमय वर दो।

"द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी"

शब्दार्थ-

पथ - रास्ता, आलोकित - प्रकाशित, तम - अंधेरा, नवल - नया,

रश्मि - किरण, पथिक - राही, पर - पंख, निर्दिष्ट - निश्चित,

विहग - पक्षी, उर - हृदय

कविता का सारांश

कवि ईश्वर से प्रार्थना करता है कि वह उसके जीवन पथ को प्रकाशित करें, प्रातः काल में जिस प्रकार सूर्य की किरणें रात्रि के अंधकार को खत्म कर देती हैं, उसी प्रकार कवि भी चाहता है कि ईश्वर उसके हृदय के अंधकार को अर्थात बुरी प्रवृत्तियों को दूर कर दे। कवि स्वयं को एक नन्हा यात्री बताता है जो अभी संसार में चलना सीख रहा है, कवि स्वयं को नन्हा पक्षी बताता है जो अभी उड़ना सीख रहा है। अर्थात कवि अपने को ऐसा व्यक्ति बता रहा है जिसे कुछ नहीं आता, नन्हा पथिक ईश्वर से पैर और पर दोनों मांग रहा है ताकि वह अपने निश्चित लक्ष्य तक पहुंच सके। कवि ने जितना कुछ संसार से पाया है उससे अधिक वह देकर जाना चाहता है तथा कवि की मनोकामना है कि इस धरती को स्वर्ग बना दे।

Q1. सही विकल्प चुनिए:-

1. कवि अंधेरा समाप्त करना चाहता है-

a. कमरे का ( ) b. हृदय का ( )

2. कवि पहुंचना चाहता है-

a. पहाड़ पर ( ) b. लक्ष्य पर ( )

3. कवि धरती को बनाना चाहता है-

a. स्वर्ग ( ) b. नरक ( )

Q2. सही कथनों के आगे सत्य और गलत कथनों के आगे असत्य लिखिए-

1. कवि स्वयं को नन्हा पक्षी बताता है। ( )

2. कवि संसार को कुछ नहीं देकर जाना चाहता है। ( )

Q3. मेल मिलाओ:-

तम	नवीन
पथ	विहग
पक्षी	अंधेरा
नवल	रास्ता

Q4. एक शब्द में उत्तर दीजिए:-

1. कविता के रचनाकार का नाम बताइए ?

.....

2. कवि किसके पथ पर चलना सीख रहा है ?

.....

3. कवि किससे वर मांग रहा है ?

.....

Q5. वाक्य बनाओ:-

1. मनोकामना - .....

2. विश्व - .....

Q6. लघु उत्तरीय प्रश्न:-

1. नन्हा पथिक क्या सीख रहा है ?

.....

Q7. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:-

1. कवि किस को आलोकित करने की प्रार्थना कर रहा है ?

A1. कवि स्वयं के जीवन पथ को आलोकित करने की प्रार्थना कर रहा है|

2. पथिक पग और पंख दोनों क्यों मांग रहा है ?

A2. पथिक पग और पंख दोनों अपने निश्चित लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मांग रहा है|

3. कवि की क्या मनोकामना है ?

A3. कवि की मनोकामना है कि संसार से जितना भी उसे मिला है, उससे कहीं अधिक वह इस संसार को देने की इच्छा रखता है|

अपठित गद्यांश

पाठ पुस्तिका से अलग ऐसे गद्यांश अपठित गद्यांश कहलाते हैं, जिन्हें पहले पढ़ा न गया हो। अपठित गद्यांश को पढ़- समझकर, उसका भाव जानकर पूछे गए प्रश्नों का सही-सही उत्तर दिया जाता है| अपठित गद्यांश से भाषा की समझ और अभिव्यक्ति की क्षमता बढ़ती है|

उदाहरण के लिए निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए :-

किसी गांव में एक किसान रहता था। उसके चार बेटे थे। वे हमेशा आपस में लड़ते- झगड़ते रहते थे। पिता ने उन्हें कई बार समझाया लेकिन उन पर कोई असर नहीं हुआ। एक दिन किसान बहुत बीमार हो गया। कई चिकित्सकों ने उसका इलाज किया लेकिन किसान ठीक न हुआ। किसान को लगा कि अब उसका अंतिम समय निकट आ गया है। बेटों को समझाने के लिए उसने एक उपाय सोचा। उसने अपने पुत्रों को बुलाया और लकड़ियों का एक गट्ठर लाने को कहा। जब लकड़ियों का गट्ठर लेकर चारों बेटे आ गए तो उसने एक- एक करके चारों बेटों से उसे तोड़ने के लिए कहा। परंतु कोई भी लड़का गट्ठर को तोड़ नहीं सका। किसान ने गट्ठर खोल दिया और उन्हें एक- एक लकड़ी देकर उसे तोड़ने के लिए कहा। सभी ने बड़ी आसानी से लकड़ी तोड़ दी। किसान ने अपने पुत्रों को समझाया- "एकता में ही बल है"।

Q1. किसान के कितने बेटे थे ?

A1. किसान के चार बेटे थे ।

Q2. किसान ने बेटों से क्या लाने को कहा ?

A2. किसान ने बेटों से लकड़ियों का एक गट्ठर लाने को कहा ।

Q3. किसान के बेटे हमेशा क्या करते रहते थे?

A3. किसान के बेटे हमेशा लड़ते- झगड़ते रहते थे।

Q4. इस गद्यांश का क्या शीर्षक है?

A4. "एकता में ही बल है" इस गद्यांश का शीर्षक है ।

जिस प्रकार ऊपर के गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं। उसी प्रकार आप इस गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

बाल दिवस का अर्थ है बच्चों का त्योहार। बाल दिवस 14 नवंबर को मनाया जाता है। इस दिन बच्चों के प्रिय चाचा पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन होता है। नेहरू जी बच्चों को बहुत प्यार करते थे। वे दुनिया में जहां कहीं भी जाते थे छोटे बच्चों से जरूर मिलते थे और उनके साथ हंसते- खेलते थे।

इस दिन सभी बड़े नगरों में बाल दिवस बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है। स्कूल- कॉलेजों में खेल-कूद होते हैं।

बड़े-बड़े मेले लगते हैं। कहीं-कहीं छोटे-छोटे बच्चे जुलूस भी निकालते हैं। नई दिल्ली के बाल मेले में हमारे

प्रधानमंत्री भी भाग लेते हैं। बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए पुरस्कार और मिठाईयां बांटी जाती हैं।

Q1. बाल दिवस का क्या अर्थ है ?

A1. .....

Q2. बाल दिवस के दिन बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए क्या किया जाता है ?

A2. .....

Q3. नई दिल्ली के बाल मेले में कौन भाग लेते हैं ?

A3. .....

Q4. इस गद्यांश का क्या शीर्षक है?

A4. .....

गुरु नानक देव पाठ के शब्दार्थ तथा दीर्घ प्रश्न के उत्तरों को याद करें:-

शब्दार्थ-

विख्यात - प्रसिद्ध

ईश्वरवादी - ईश्वर को मानने वाला

व्यवस्था - इंतजाम

विजय - जीत

Q1. निम्नलिखित दीर्घ प्रश्नों के उत्तरों को याद करें:-

1. गुरु नानक देव ने गंगा के किनारे क्या देखा और क्या किया ?

A1. गुरु नानक ने देखा कि लोग गंगा के किनारे खड़े होकर सूर्य की ओर देखकर उनको जल चढ़ा रहे हैं। गुरु जी तुरंत नदी में चल दिए और पश्चिम दिशा की ओर मुंह करके अपने खेतों को जल चढ़ाने लगे।

2. जब गुरु नानक का मन पढ़ाई में नहीं लगा तो उनके पिताजी ने क्या किया ?

A2. जब गुरु नानक का मन पढ़ाई में नहीं लगा, तो उनके पिताजी ने उन्हें व्यापार करने के लिए ₹20 दिए और कहा लो जाओ कोई व्यापार कर लो।

End